विकसित छत्तीसगढ़: 10 वर्षों का विज़न

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ सरकार ने **राज्य के विकास के लिये** योजनाओं पर चर्चा और रणनीति बनाने हेतु IIM-रायपुर में **दो दिवसीय 'चिंतन शिविर'** का आयोजन किया।

- **शिविर के दौरान सत्र का संचालन** नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रह्मण्यम और G-20 शेरपा अमिताभ कांत ने किया।

मुख्य बिंदु:

- शिविर का उद्देश्य '**विकसित छत्तीसगढ़' के लिये रणनीतिक रोडमैप तैयार करना और उसे लागू करना था।** इसमें देश भर से विषय विशेषज्ञ भी शामिल हुए।
- विकसित छत्तीसगढ़, **वर्ष 2047 तक** भारत को विकसित करने के लक्ष्य 'विकसित भारत' के विचार के अनुरूप है।
- शिविर के दौरान **छत्तीसगढ़ में खनिजों की प्रचुरता** और राज्य के मनोरम परिदृश्यों पर प्रकाश डाला गया।
- **राज्य के आर्थिक हितों और राज्य में पर्यटन उद्योग के विकास** के लिये खनिज दोहन के संतुलन के महत्त्व पर भी ज़ोर दिया गया।

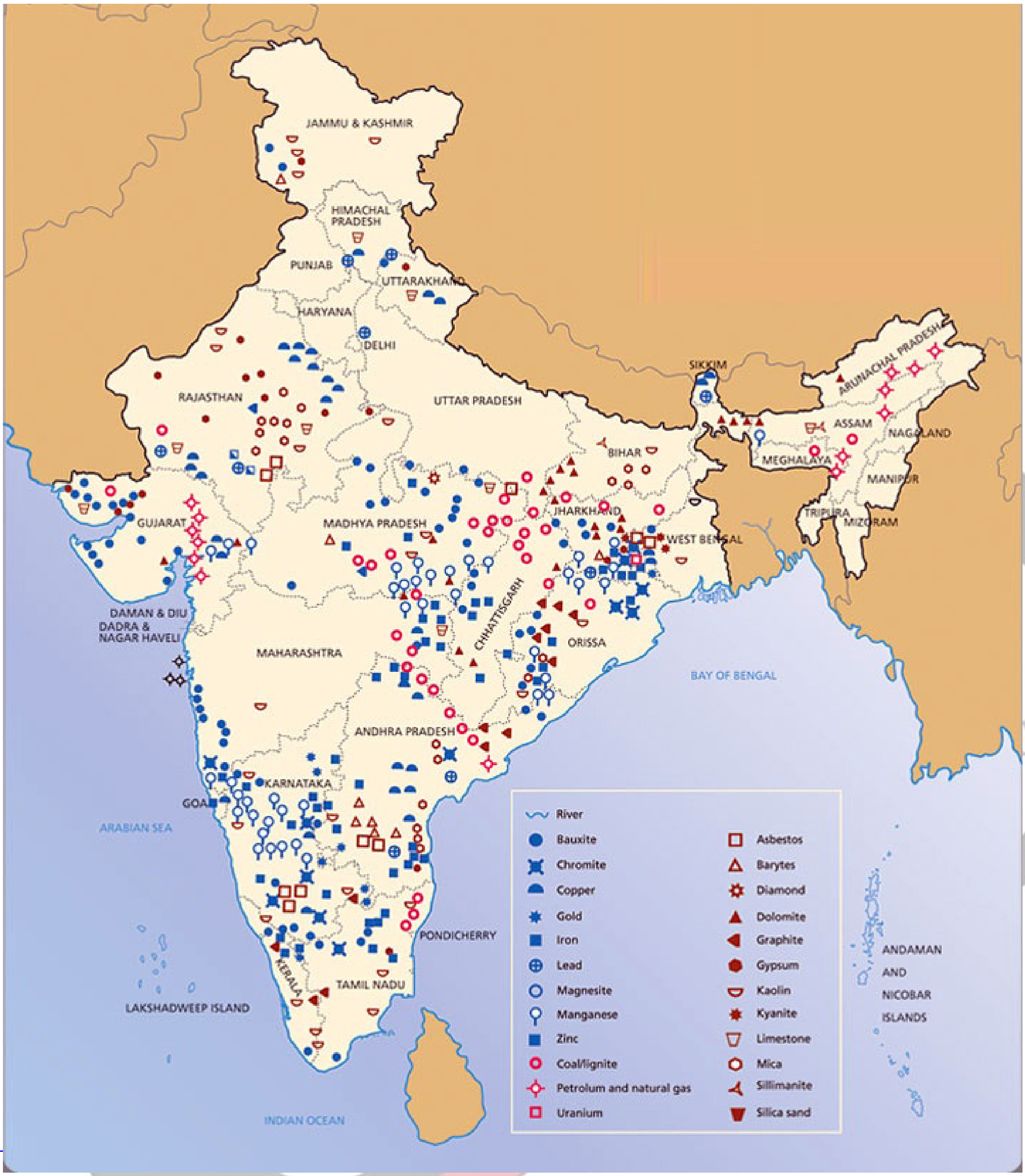

//

नीति आयोग

- **योजना आयोग** को **1 जनवरी, 2015 को एक नए संस्थान नीति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित** किया गया था, जिसमें **'सहकारी संघवाद'** की भावना को प्रतिध्वनित करते हुए अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार की परिकल्पना की परिकल्पना के लिये 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया था।
- **इसके दो हब हैं:**
  - **टीम इंडिया हब**- राज्यों और केंद्र के बीच इंटरफेस का काम करता है
  - **ज्ञान और नवोन्मेष हब**- नीति आयोग के थिंक-टैंक की भाँति कार्य करता है

नोट

- G20 का **कोई स्थायी सचिवालय** नहीं है। एजेंडा और कार्य का समन्वय G20 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है, जिन्हें '**शेरपा**' के रूप में जाना जाता है, जो केंद्रीय बैंकों के वित्त मंत्रियों तथा गवर्नरों के साथ मिलकर कार्य करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/viksit-chhattisgarh-a-vision-for-10-years